इक्विटी फंडों में निवेश में सुधार

दिसंबर में निवेशकों का मिडकैप व स्मॉलकैप फंडों पर दांव, कुल एयूएम 40.86 लाख करोड़ रुपये

अभिषेक कुमार
मुंबई, 10 जनवरी

सक्रिय इक्विटी म्युचुअल फंड की योजनाओं में शुद्ध निवेश दिसंबर में बढ़कर 7,300 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो नवंबर में 21 महीने के निचले स्तर 2,260 करोड़ रुपये पर आ गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

शुद्ध निवेश में सुधार की वजह निवेश निकासी में नरमी और निवेश में हुई बढ़ोतरी रही। इन योजनाओं में हालांकि मासिक आधार पर निवेश दिसंबर में 5 फीसदी बढ़ा, वहीं निवेश निकासी नवंबर के मुकाबले 14 फीसदी कम रही।

सक्रिय इक्विटी योजनाओं में सबसे ज्यादा शुद्ध निवेश मिडकैप व स्मॉलकैप फंडों में हासिल हुआ। मोतीलाल ओसवाल एएमसी के चीफ बिजनेस अफसर अखिल चतुर्वेदी ने कहा, शुद्ध निवेश में बढ़ोतरी की अगुआई मिडकैप व स्मॉलकैप श्रेणी में हुए निवेश में इजाफे ने की, जो हालिया गिरावट के बाद मूल्यांकन के लिहाज से आकर्षक दिखनी शुरू हो गई।

फायर्स के शोध प्रमुख गोपाल कावलीरेड्डी ने कहा, शेयर बाजारों में लगातार रहे उतारचढ़ाव और लार्जकैप फंडों और स्मॉल व मिडकैप फंडों के बीच प्रदर्शन के अंतर को देखते हुए निवेशक अब मूल्यांकन वाला मामला चुन रहे हैं।

दिसंबर के निवेश के आंकड़े पिछले साल के रुख के मुताबिक हैं। विभिन्न रिपोर्ट व म्युचुअल फंड के अधिकारियों से पता चलता है कि जब बाजार में गिरावट आती है तो निवेशक ज्यादा निवेश करते हैं और निवेश निकासी तब करते हैं जब बाजार सर्वोच्च स्तर के आसपास रहता है।

नवंबर में सेंसेक्स और निफ्टी ने सर्वोच्च स्तर को छू लिया था और सूचकांकों में 4 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। दिसंबर में सूचकांकों में 3.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। हालिया रिपोर्ट में आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने कहा था कि पिछले 4-5 वर्षों में कम से कम तीन ऐसे उदाहरण देखने को मिले जब निवेशकों ने अपना निवेश बढ़ाया जब बाजारों में गिरावट आ रही थी। बाजार में बढ़त के दौर में यह रुख पलट गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, खुदरा निवेशक व एचएनआई बेहतर तरीके से इसका फायदा उठा रहे हैं। वे बाजार में गिरावट के दौर में निवेश बढ़ाते हैं और अगली बढ़त के चरण तक निवेशित रहते हैं। जब बाजार अपने सर्वोच्च स्तर के आसपास होता है या जब उन्हें लगता है कि बाजार अब टूटने वाला है तब वे निवेश निकासी करते हैं।

हालांकि एसआईपी के जरिये सकल निवेश बाजार की परिस्थितियों से शांत बना हुआ है। साल 2022 में एसआईपी निवेश करीब-करीब हर महीने बढ़कर नए सर्वोच्च स्तर को छू गया। दिसंबर में एसआईपी निवेश 13,570 करोड़ रुपये रहा, जो नवंबर में 13,300 करोड़ रुपये रहा था।

एम्फी के मुख्य कार्याधिकारी एन एस वेंकटेश ने कहा, लंबी अवधि के लक्ष्य के साथ इक्विटी बाजारों में निवेश की अहमियत निवेशकों के जेहन से उतरा नहीं है और ये चीजें बढ़ती जागरूकता और एसआईपी को लंबी अवधि में परिसंपत्ति सृजन के लिहाज से अपनाने में प्रतिबिंबित हुई है। दिसंबर में करीब 24 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत हुए, जो इसमें निवेशकों के बढ़ते भरोसे के बारे में बताता है।

डेट फंड निवेशकों की दिलचस्पी से बाहर बने हुए हैं और उन्होंने दिसंबर में इनसे 22,000 करोड़ रुपये निकाले। लिक्विड फंडों से सबसे ज्यादा 13,580 करोड़ रुपये की निकासी हुई। यह निकासी मुख्य रूप से तिमाही के आखिर में अग्रिम कर के भुगतान के चलते हुई। कंपनियां कर देनदारी व अन्य परिचालन जरूरतों के लिए अपनी रकम अल्पावधि वाले फंडों मसलन लिक्विड फंडों व ओवरनाइट फंडों में रखती हैं।

अन्य डेट योजनाओं से भी शुद्ध निकासी हुई, जो एक साल से ज्यादा समय से हो रहा है। मीडियम ड्यूरेशन फंडों से शुद्ध रूप से 1,800 करोड़ रुपये निकाले गए जबकि बैंकिंग व पीएसयू फंडों से 1,350 करोड़ रुपये।

म्युचुअल फंड उद्योग की औसत प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 40.86 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो नवंबर में 40.49 लाख करोड़ रुपये रही थी। निवेशकों के खातों की संख्या बढ़कर 14.10 करोड़ हो गई।

इक्विटी योजनाओं पर निवेशकों का दांव

अवधि	निवेश करोड़ रुपये	निवेश निकासी करोड़ रुपये	शुद्ध निवेश करोड़ रुपये
जनवरी 2022	33,234	18,346	14,888
फरवरी 2022	33,777	14,072	19,705
मार्च 2022	46,408	17,944	28,463
अप्रैल 2022	32,617	16,726	15,890
मई 2022	31,619	13,090	18,529
जून 2022	27,537	12,039	15,498
जुलाई 2022	22,654	13,756	8,898
अगस्त 2022	27,846	21,726	6,120
सितंबर 2022	35,597	21,498	14,100
अक्टूबर 2022	25,504	16,114	9,390
नवंबर 2022	28,288	26,029	2,258
दिसंबर 2022	29,792	22,488	7,303

स्रोत : एम्फी

दो दिन में रुपये में करीब 100 पैसे की बढ़त

भास्कर दत्ता
मुंबई, 10 जनवरी

डॉलर के मुकाबले रुपये ने मंगलवार को काफी मजबूती दर्ज की और इस तरह से रुपये में 11 नवंबर के बाद से सबसे बड़ी एकदिवसीय उछाल दर्ज हुई। इसकी वजह विदेशी निवेश और तेल आयातकों के बदले सार्वजनिक बैंकों की तरफ से डॉलर की मांग में आई तेज गिरावट है। डीलरों ने यह जानकारी दी।

देसी मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.79 पर टिकी, जो सोमवार को 82.36 पर रही थी। मंगलवार का स्तर 2 दिसंबर के बाद सबसे मजबूत बंद स्तर के रेखांकित करता है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

करेंसी ट्रेडरों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से डॉलर व रुपये के निचले स्तर पर डॉलर की खरीद के अभाव से स्थानीय मुद्रा को बढ़त दर्ज करने में मदद मिली। दो दिन कारोबारी सत्र में रुपये में 94 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

एएनजेड बैंक के ट्रेडिंग प्रमुख नितिन अग्रवाल ने कहा, मुझे लगता है कि आरबीआई आज डॉलर खरीद से दूर रहा और इसकी संभावना थी। इसी वजह से डॉलर में नरमी आई। मुझे संदेह है कि देश में कुछ विदेशी निवेश भी आया है। उन्होंने कहा, अगर आरबीआई इस स्तर पर सहज होता है तो वह यहां अपना भंडार और बढ़ा सकता है। दूसरी ओर, अगर बाजार को लगता है कि आरबीआई ने पर्याप्त भंडार 82.20 प्रति डॉलर पर बना रखा है और वह 81.50 प्रति डॉलर पर और भंडार बना सकता है और तब 81.50 के स्तर की परख होगी।

फरवरी से सितंबर तक भंडार में करीब 100 अरब डॉलर की गिरावट के बाद आरबीआई का भंडार दिसंबर के आखिर में 30 अरब डॉलर बढ़कर 562.85 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है।

ट्रेडरों ने कहा कि मंगलवार को मुद्रा बाजार में जो निवेश आया वह अदाणी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपये के एफपीओ से संबंधित हो सकता है, जो इसी महीने आना है, साथ ही कार्लाइल की तरफ से वीएलसीसी की हिस्सेदारी खरीद पर 30 करोड़ डॉलर का भी इसमें योगदान हो सकता है।

कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष ए. बनर्जी ने कहा, वास्तव में हुआ यह है कि बाजार में तेल आयातकों की डॉलर मांग नहीं आई तो फिर एक बार जब 82.10 प्रति डॉलर का स्तर आ गया तो कई स्टॉप लॉस टूटे। यही आज देखने को मिला।

उन्होंने कहा, पिछली बार दिसंबर की शुरुआत में यह 82 प्रति डॉलर पर था। काफी लोगों ने डॉलर में लॉन्ग पोजीशन बनाई और निर्यातकों ने हेजिंग नहीं की क्योंकि प्रीमियम कम था। ऐसे में मुझे लगता है कि 82 प्रति डॉलर का स्तर टूटने के बाद इसका असर दिखा। अब यह अन्य मुद्राओं के साथ कदमताल की कोशिश में है क्योंकि समकक्ष देशों की मुद्राओं व भारतीय रुपये के बीच काफी अंतर आ गया है।

ट्रेडरों ने कहा, पिछले महीने ज्यादातर उभरते देशों की मुद्राओं के मुकाबले रुपये का प्रदर्शन कमजोर रहा था, लेकिन मंगलवार को इसने बेहतर किया।

बनर्जी के मुताबिक, जब तक कि आरबीआई डॉलर की बड़ी खरीद के जरिये नहीं उतरता तब तक रुपया अल्पावधि में 81 प्रति डॉलर तक मजबूत हो सकता है।

टीसीएस की तीसरी तिमाही पर ब्रोकरों का विश्लेषण

कमजोर ऑर्डर, कर्मियों की संख्या घटना मंदी का संकेत

हर्षिता सिंह
नई दिल्ली, 10 जनवरी

टाटा समूह की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसज (टीसीएस) अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में राजस्व की उम्मीदों पर खरी उतरी, लेकिन मुनाफा अनुमान के अनुरूप नहीं रहा। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 58,229 करोड़ रुपये पर रहा, जबकि शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 10,846 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

बिजनेस स्टैंडर्ड के सर्वे में कंपनी का राजस्व 57,446 करोड़ रुपये और लाभ 11,046 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया गया था।

टीसीएस का शेयर मंगलवार को करीब 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

विश्लेषकों का कहना है कि कुल कर्मियों में करीब 2,200 की तिमाही गिरावट और सौदों की बुकिंग में 3.7 प्रतिशत कमजोरी ऐसे संकेतक हैं जो कंपनी के लिए सुस्त प्रदर्शन का इशारा करते हैं। इन्हें छोड़कर, संपूर्ण वित्तीय प्रदर्शन वैश्विक चिंताओं के बीच मजबूत रहा, क्योंकि एबिटा मार्जिन 50 आधार अंक सुधर कर 24.5 प्रतिशत रहा। आइए, जानते हैं ब्रोकरों की रायः

जेफरीज
रेटिंगः निवेश बनाए रखें
कीमत लक्ष्यः 3,500 रुपये

टीसीएस का बुक-टु-बिल रेशियो 1.1 गुना पर तीन साल में सबसे कम रहा, जबकि उसके कर्मियों की संख्या में कमी एक दशक के दौरान चौथी बार दर्ज की गई। हमारा मानना है कि टीसीएस वित्त वर्ष 2023-25 के दौरान 7.5 प्रतिशत की कंस्टेंट करेंसी (सीसी) राजस्व दर दर्ज करेगी, जो वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले काफी कम है।

मोतीलाल ओसवाल
रेटिंगः बरकरार रखें
कीमत लक्ष्यः 3,810 रुपये

अगली दो तिमाहियों के दौरान टीसीएस द्वारा लगातार वृद्धि दर्ज किए जाने की संभावना देख रहे हैं, भले ही कंपनी पिछले मजबूत मजबूत ऑर्डर प्रवाह की वजह से अलग बनी रह सकती है। जहां हमें वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही तक मांग सामान्य होने का अनुमान है, वहीं कमजोर संभावना वित्त वर्ष 2024 की वृद्धि के लिए मुख्य जोखिम बना हुआ है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज
रेटिंगः खरीद बरकरार रखें
कीमत लक्ष्यः 3,500 रुपये

वृद्धि में नरमी, यूरोप में व्यवसाय संबंधित निर्णय लेने में विलंब जैसे कारणों से ऑर्डर प्रवाह कमजोर रहा। हमने अपने प्रति शेयर आय (ईपीएस) अनुमान 0-1 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वित्त वर्ष 2024 में वृद्धि की रफ्तार सुस्त (8.1 प्रतिशत) रहने, और उसके बाद वित्त वर्ष 2025 में तेजी आने के संबंध में हमारा अनुमान अपरिवर्तित बना हुआ है।

निर्मल बांग
रेटिंगः बिकवाली बरकरार रखें
कीमत लक्ष्यः 2,635 रुपये

अमेरिका में मांग से संबंधित प्रतिक्रियाएं असामान्य तौर पर मजबूत दिख रही हैं, जबकि टीसीएस को ब्रिटेन में बाजार भागीदारी बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यूरोपीय व्यवसाय कमजोर रहने का संकेत मिला था। निर्णय लेने और सौदों के क्रियान्वयन में विलंब से समस्या पैदा हुई है। वित्त वर्ष 2024 में ऊंचे एक अंक की राजस्व वृद्धि का अनुमान है, जो हमने 2023 में अमेरिका में मंदी की आशंका के बीच न्यून से मध्य एक अंक में रहने की संभावना जताई थी।

रिलायंस सिक्योरिटीज
रेटिंगः बिकवाली
कीमत लक्ष्यः 3,110 रुपये

आईटी सेवाएं वित्त वर्ष 2024 में खराब होते वैश्विक परिवेश और खर्च में संभावित कटौती के प्रभाव से अलग नहीं रहेंगी। टीसीएस की राजस्व वृद्धि वित्त वर्ष 2024 में कमजोर होकर एक अंक में रह जाएगी, जबकि कमजोर ऑर्डर प्रवाह, सीमित मार्जिन सुधार और कम मूल्य निर्धारण क्षमता से मूल्यांकन पर दबाव बढ़ सकता है।

फिलिपकैपिटल
रेटिंगः खरीदें
कीमत लक्ष्यः 4,000 रुपये

खासकर कमजोर अन्य आय की वजह से हमने वित्त वर्ष 2023/2024 के अनुमानों में 2 प्रतिशत तक की कमी की है। यह शेयर अब वित्त वर्ष 2025 की ईपीएस के 27 गुना पर है। हमारा अनुमान है कि टीसीएस अपने शानदार रिटर्न प्रोफाइल, मजबूत मार्जिन, और बाजार भागीदारी पर दबदबे को देखते हुए बड़े प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले लगातार ऊपर बना रह सकता है।

आईआरडीएआई के दिशानिर्देश के मुताबिक मूल्यांकन में संशोधन : ऐक्सिस बैंक

सुब्रत पांडा
मुंबई, 10 जनवरी

बीमा नियामक की फटकार के बाद निजी क्षेत्र के ऐक्सिस बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने मैक्स फाइनैंशियल सर्विसेज के साथ संशोधित करार किया है, जिसके जरिए वह मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की बाकी 7 फीसदी इक्विटी का अधिग्रहण उचित बाजार कीमत पर करेगा। इसमें आयकर नियम 1962 के नियम 11 यूए के मुताबिक मूल्यांकन के बजाय डिस्काउंटेड कैश फ्लो का इस्तेमाल किया जा रहा है। बैंक ने एक्सचेंजों को भेजी सूचना में कहा, यह संशोधन मैक्स लाइफ को बीमा नियामक की तरफ से मिले दिशानिर्देश के मुताबिक किया गया है।

आईआरडीएआई ने ऐक्सिस बैंक व मैक्स लाइफ इंश्योरेंस पर जुर्माना लगाया था क्योंकि नियामक ने मैक्स फाइनैंशियल सर्विसेज व ऐक्सिस बैंक (और उसकी सहायकों) के बीच मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के शेयरों के हस्तांतरण से संबंधित लेनदेन में अपने कुछ निश्चित निर्देशों का उल्लंघन पाया था। मैक्स लाइफ को जुर्माने के तौर पर 3 करोड़ रुपये और ऐक्सिस बैंक को जुर्माने के तौर पर 2 करोड़ रुपये चुकाने को कहा गया था।

अपने आदेश में बीमा नियामक ने कहा था कि मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की प्रवर्तक मैक्स फाइनैंशियल सर्विसेज ऐक्सिस बैंक को उस कीमत पर बीमा कंपनी के शेयर हस्तांतरित कर रही थी, जो उचित बाजार मूल्यांकन से काफी कम है और बैंक से उन्हीं शेयरों की खरीद काफी ऊंची कीमत पर की। ऐक्सिस बैंक ने 166 रुपये प्रति शेयर पर 0.998 फीसदी इक्विटी बेची थी। इसके बाद ऐक्सिस बैंक व उसकी समूह कंपनियों ने 22 दिन के भीतर 31.51 से 32.12 रुपये के कीमत दायरे में 12.002 फीसदी शेयर खरीदे, जो आयकर नियम 1962 के नियम 11 यूए में परिकल्पित मूल्यांकन पर आधारित था।

... तेजी से बढ़ेगी ईवी की बिक्री

पृष्ठ-1 का शेष

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने कहा, ' महज दो दिन पहले बाजार में आई बीएमडब्ल्यू आई7 की भी काफी मांग है। हमें लगता है कि मांग में तेजी से इजाफा होगा और इलेक्ट्रिक वाहनों की भागीदारी कुल बिक्री की 10 फीसदी हो जाएगी। भारत में महंगी इलेक्ट्रिक कारों की मांग में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है।'

बीएमडब्ल्यू आई7 को लेकर पावाह का दावा है कि इस समय मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि वे ग्राहकों की दिलचस्पी को देखते हुए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अय्यर का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहन खंड में वृद्धि दोहरे अंक में रही है। इसे देखते हुए कार निर्माता कंपनियां स्थानीय स्तर ही कुछ मॉडल तैयार कर रही हैं। अमूमन इन गाड़ियों की कीमतें 1 करोड़ रुपये या इससे अधिक होती है। इस उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर अधिक कारें तैयार होने से मांग बढ़ेगी और आयात शुल्क में भी कमी आएगी। मर्सिडीज-बेंज इंडिया चार महंगे इलेक्ट्रिक मॉडल बेचती है।

कॉक्स एण्ड किंग्स लिमिटेड की सम्पत्तियों की बिक्री की सूचना

कॉक्स एण्ड किंग्स लिमिटेड (परिसमापन में)

पंजीकृत कार्यालयः यूनिट नं. 313, तीसरी मंजिल, टर्फ एस्टेट, महालक्ष्मी, मुंबई 400011

परिसमापकः श्री आशुतोष अग्रवाल

पत्राचार का पताः पेनिनसुला बिजनेस पार्क, टावर बी, 19वीं मंजिल, लोअर परेल, मुम्बई-400013, महाराष्ट्र, भारत; **ईमेलः** ip.coxandkings@excedor.com

दिवालिया एवं ऋण अशोधन संहिता, 2016 के अधीन
कॉक्स एण्ड किंग्स की सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी
नीलामी की तारीख एवं समयः 6 फरवरी, 2023 को अपराह्न 2.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक
(प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

माननीय राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, मुम्बई पीठ के आदेश दिनांकित 16 दिसम्बर, 2021 के अनुसार नियुक्त परिसमापक द्वारा **मैसर्स कॉक्स एण्ड किंग्स - परिसमापन में (कंपनी)** की सम्पत्तियों की बिक्री हेतु सूचना। परिसमापक द्वारा सम्पत्तियों की बिक्री मैसर्स लिंकस्टार इंफोसिस प्राइवेट लिमिटेड के पोर्टल ई-नीलामी प्लेटफॉर्म (https://www.eauctions.co.in) के जरिए संपादित की जाएगी।

लॉट	सम्पत्तियों का विवरण जमा	आरक्षित मूल्य (बिक्री हेतु सम्पत्तियां)	बयाना राशि जमा (ईएमडी)
1.	जारी प्रतिष्ठान के रूप में मैसर्स कॉक्स एण्ड किंग्स लिमिटेड-परिसमान में (कंपनी) की बिक्री	रु. 31.50 करोड़	रु. 63.00 लाख
2.	9 जनवरी, 2023 को बकाया मैसर्स कॉक्स एण्ड किंग्स लिमिटेड के व्यापार से प्राप्य की बिक्री	रु. 11.40 करोड़	रु. 11.40 लाख

सम्पत्तियों की 2 (दो) लॉट के समूह में बिक्री की जाएगी तथा पात्र बोलीदातागण प्रत्येक व्यक्तिगत लॉट के लिए अथवा एकाधिक लॉटों के लिए बोली लगा सकते हैं।

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें निम्नानुसार हैं:

1. सम्पत्तियों की बिक्री "जैसे है जहां है", "जैसे है जो है" तथा "वहां जो कुछ भी है" के आधार पर की जाएगी। चूंकि कंपनी की सम्पत्तियों की बिक्री बिना किसी दायित्व तथा किसी भी तरह की वारंटी तथा क्षतिपूर्ति के बगैर की जाएगी तथा अनुमोदित ई-नीलामी सेवा प्रदाता मैसर्स लिंकस्टार इंफोसिस प्राइवेट लिमिटेड के जरिए संचालित की जाएगी।
2. बोलीदाताओं द्वारा पात्रता के दस्तावेज तथा अन्य समर्थित दस्तावेज के साथ कंपनी की सम्पत्तियों के संक्षिप्त विवरण के साथ ई-नीलामी प्रक्रिया के साधारण नियम एवं शर्तें तथा बोलियां जमा करने के लिए तकनीकी पद्धति सम्मिलित परिपूर्ण ई-नीलामी प्रक्रिया दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट (https://www.coxandkings.com/liquidation-process/) पर तथा ई-नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाइट (https://www.eauctions.co.in) पर उपलब्ध है।
3. परिसमापक द्वारा योग्यप्राप्त बोलीदाताओं की पहचान की जाएगी तथा बयाना राशि जमा (ईएमडी) की रकम जमा करने के उपरांत ही केवल योग्य बोलीदातागण ई-नीलामी प्लेटफॉर्म (https://www.eauctions.co.in) पर ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है। ई-नीलामी प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण किए जाने पर ई-नीलामी सेवा प्रदाता (मैसर्स लिंकस्टार इंफोसिस प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा योग्यताप्राप्त बोलीदाताओं को ई-मेल के जरिए यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्रदान किया जाएगा।
4. अपनी बोली जमा करने से पहले योग्यताप्राप्त बोलीदाता को निजी खर्च पर कंपनी, सम्पत्तियों, दावों तथा देयताओं, वाणिज्यिक तथा वित्तीय प्रतिबद्धताओं, परिचालन तथा रखरखाव शुल्कों तथा अन्य आवर्ती तथा आकस्मिक व्यवसायिक लागतों, यदि कोई हो, के संबंध में स्वतंत्र जांच कर स्वयं को संतुष्ट कर लेना चाहिए।
5. सफल बोलीदाता इस ई-नीलामी के तहत सम्पत्तियों की बिक्री से संबंधित लागू स्टैम्प ड्युटी, संविधिक लागत, हस्तांतरण प्रभार एवं शुल्क, जीएसटी अथवा अन्य कोई भी कर का भुगतान करने तथा जारी प्रतिष्ठान के रूप में कंपनी की बिक्री तथा कंपनी की सम्पत्तियों की बिक्री के संबंध में दस्तावेज को पूरा करने तथा अनुमति हासिल करने के लिए जिम्मेदार होंगे।
6. बिक्री दिवालिया तथा ऋण अशोधन संहिता, 2016 तथा संबंधित विनियमनों के प्रावधानों का विषय-वस्तु है, परिसमापक/सफल बोलीदाता को ई-नीलामी प्रक्रिया दस्तावेज के अनुसार समुचित आदेश के लिए माननीय एनसीएलटी, मुंबई पीठ से समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य है।
7. परिसमापक के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी चरण में किसी अथवा सभी बोलियों को स्वीकार अथवा रद्द अथवा संशोधित करने अथवा ई-नीलामी को स्थगित/निलंबित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

आशुतोष अग्रवाल, परिसमापक
कॉक्स एण्ड किंग्स लिमिटेड की ओर से
आईबीबीआई पंजीयन संख्याः IBBI/IPA-001/IP-P01123/2018-19/11901
आईबीबीआई का पंजीकृत कार्यालयः डी-1005, अशोक टावर्स, डॉ. एस.एस. राव रोड, परेल मुम्बई-400012

स्थानः मुंबई
दिनांकः 11 जनवरी, 2023

बीएसई लिमिटेड

२५वीं मंजिल, पीजे टावर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई- ४००००१.

CIN No: L67120MH2005PLC155188

EXPERIENCE THE NEW

सार्वजनिक सूचना

एक्सचेंज ने उन कंपनियों की अनिवार्य डीलिस्टिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें सेबी (एलओडीआर) विनियम २०१५ के महत्वपूर्ण नियमों का पालन न करने के लिए ६ महीने से अधिक की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है और जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर निलंबन को रद्द करने की औपचारिकताएं पूरी नहीं की हैं।

इस प्रक्रिया के एक हिस्से के रूप में, एक्सचेंज ने २२ दिसंबर, २०२२ को एक्सचेंज के साथ-साथ एमसीए रिकॉर्ड (जहां अलग हो) के अनुसार उनके अंतिम ज्ञात पते पर एक पत्र जारी किया है, जिसमें उक्त कंपनियों की असूचीकरण समिति के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई के अवसर का लाभ उठाने के लिए सूचित किया गया है।

हालांकि, निम्नलिखित २६ कंपनियों (तालिका-१) के मामले में, उक्त पत्र कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के पते पर कोरियर/स्पीड पोस्ट के माध्यम से वितरित नहीं किया जा सका है। कंपनियों और उनके पंजीकृत कार्यालयों के पते के विवरण नीचे दिए गए हैं :

तालिका १

क्रमांक	स्क्रिप कोड	कंपनी का नाम	एक्सचेंज रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी का पता
१	५३०९०१	एसीआईएल कॉटन इंडस्ट्रीज लि.	बी-७/४०४, नटराज टाउनशिप पार्ट-II, परशुराम नगर सोसाइटी रोड, सयाजीगंज, वडोदरा-३९०००५, गुजरात
२	५३८८६१	एमसंस अपैरल्स लि.	३०३, दूसरी मंजिल, प्लॉट नंबर १३-ए, वीर कॉम्प्लेक्स, वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, नई दिल्ली -११००९२, दिल्ली
३	५४००२४	आशारी एजेंसीज़ लि.	पहली मंजिल, एफ-१, साइट-बी, सूरजपुर, औद्योगिक क्षेत्र, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर -२०१३०६, उत्तर प्रदेश
४	५३९२७४	बोस्टन लीजिंग एंड फाइनेंस लि.	ई-८०३, टाइटेनियम सिटी सेंटर, सचिन टॉवर के पास, आनंद नगर रोड, अहमदाबाद-३८००१५, गुजरात
५	५१७४७३	डेटाप्रो इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लि.	ईएल - २१, इलेक्ट्रॉनिक ज़ोन, एमआईडीसी, भोसारी, पूना -४११०२६, महाराष्ट्र
६	५३८४३२	डिविनस फैब्रिक्स लि.	ई-१८६, जी/एफ़ जेजे कॉलोनी, मादीपुर, डिस्पेंसरी के पास, नई दिल्ली-११००६३, दिल्ली
७	५१७९७३	डीएमसी एजुकेशन लि.	एच-१०८, न्यू एशियाटिक बिल्डिंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-११०००१, दिल्ली
८	५४०९४५	फोकस सुइट्स सॉल्यूशंस एंड सर्विसेस लि.	नंबर ४६/१७, कल्पक आर्केड, दूसरी मंजिल, चर्च स्ट्रीट, बेंगलुरु-५६०००१, कर्नाटक
९	५३१९३९	जीनस कम्मू ट्रेड लि.	एस-३३, कॉलेज रोड, तिरुपति प्लाज़ा, बनासकांठा, पालनपुर-३८५००१, गुजरात
१०	५१२३७५	इनोवेटिव वेंचर लि.	ऑफिस नंबर ६०१ और ६०२, न्यूक्लियस मॉल, छठी मंजिल, १, चर्च रोड, कैंप, पूना -४११००१, महाराष्ट्र
११	५३०३३५	जेसीएल लि.	८ - ३ - २२२ / १ / ६, यूसुफगुडा रोड, मथुरा नगर, हैदराबाद -५०००३८, तेलंगाना
१२	५३१६०२	कॉफ़ी ब्रेक पिक्चर्स लि.	३७४, तीसरी मंजिल, पवई प्लाज़ा, हीरानंदानी गार्डन, पवई, मुंबई-४०००७६, महाराष्ट्र
१३	५०४३३५	पेज़ल इंटरनेशनल लि.	शॉप नंबर ११५, वी स्टार प्लाजा, प्लॉट नंबर १६, चंदावरकर रोड, राज महल होटल के सामने, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई - ४०००९२, महाराष्ट्र
१४	५३८५५७	साईं बाबा इंवेस्टमेंट एंड कमर्शियल एंटरप्राइजेस लि.	३३/३६, बेसमेंट, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-११०००८, दिल्ली
१५	५०३६९३	सॉलिटेयर इंवेस्टमेंट्स कंपनी लि.	ऑफिस नं. १, बिल्डिंग नं. ७, द्वारका सीएचएसएल, पुराने बीएमसी कार्यालय के पास, शास्त्री नगर, गोरेगांव पश्चिम, मुंबई - ४००१०४, महाराष्ट्र
१६	५३६६७१	शुभ टेक्स (इंडिया) लि.	१८, सुरती चैंबर, सेकंड धोबी तालाव लेन, मुंबई -४००००२, महाराष्ट्र
१७	५१२६३२	शुभलक्ष्मी एक्सपोर्ट्स लि.	१०२, अंधेरी कुर्ला रोड, कंचन एस्टेट, साकीनाका, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-४०००७२, महाराष्ट्र
१८	५४२६८३	सुइच इंडस्ट्रीज लि.	प्लॉट नंबर ६८, ब्लॉक नंबर ५ डब्ल्यूईए, तीसरी मंजिल, नईवाला, करोल बाग, नई दिल्ली -११००५५, दिल्ली
१९	५३५१४१	सनस्टार रियल्टी डेवलपमेंट लि.	ऑफिस नंबर ४२२, लेवल ४, डायनेस्टी, ए विंग, अंधेरी-कुर्ला रोड, मुंबई-४०००५९, महाराष्ट्र
२०	५१२४४९	एसवीसी रिसोर्सेस लि.	युनिट नंबर ४२, सिटी मॉल, लिंक रोड, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई -४०००५३, महाराष्ट्र
२१	५०७७६१	टीम लेबोरेटरीज़ लि.	५४-बी, ड्रग हाउस, प्रॉक्टर रोड, मुंबई - ४००००७, महाराष्ट्र
२२	५१२६१२	टॉवेल्स इंडिया एक्सपोर्ट्स लि.	प्लॉट नंबर ए ४, चिंचोली एमआईडीसी, ग्राम पाकानी, नॉर्थ सोलापुर, सोलापुर -४१३२५५, महाराष्ट्र
२३	५३१७०३	त्रिभुवन हाउसिंग लि.	३८/३९, गंगा विहार, पहली मंजिल, रोकड़िया लेन, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई-४०००९२, महाराष्ट्र
२४	५३०४०३	वल्लभ पॉली प्लास्ट इंटरनेशनल लि.	रहेजा पॉइंट १, ए विंग, तीसरी मंजिल, वकोला पाइप लाइन, सांताक्रुज (पूर्व), मुंबई -४०००५५, महाराष्ट्र
२५	५१६०९०	वाटसन सॉफ्टवेयर लि.	प्लॉट नंबर ४-५, चिंटूपाड़ा रोड, दीवान उद्योग नगर, ग्राम माहिम पालघर पश्चिम, ठाणे -४०१४०४, महाराष्ट्र
२६	५०५५८३	डब्ल्यूडब्ल्यू टेक्नोलॉजी होल्डिंग्स लि.	पहली मंजिल, निसर्ग अपार्टमेंट, बेसेंट रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई-४०००५६, महाराष्ट्र

इसके अलावा, नीचे दी गई १० कंपनियों (तालिका-२) के मामले में, एक्सचेंज को उक्त पत्र पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है, भले ही पत्र कंपनियों के पंजीकृत कार्यालय के पते पर वितरित हो चुका हो। कंपनियों और उनके पंजीकृत कार्यालयों के पते संबंधी विवरण नीचे दिए गए हैं :

तालिका २

क्रमांक	स्क्रिप कोड	कंपनी का नाम	एक्सचेंज रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी का पता
१	५३२११४	अल्केमिस्ट रियल्टी लि.	बिल्डिंग नंबर २३, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-११००१९, दिल्ली
२	५११०६४	एप्लाया क्रिएशंस लि.	युनिट नंबर डीटीपी - २०८, दूसरी मंजिल, डीएलएफ प्राइम टॉवर्स, एफ-७९-८० ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-१, नई दिल्ली -११००३०, दिल्ली
३	५२६५९४	बी नानजी एंटरप्राइजेस लि.	मूर्ति बंगलो, ५ अशोक नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., सुंदरवन सैटेलाइट के पीछे, अहमदाबाद-३८००१५, गुजरात
४	५१४२५८	हाइटोन टेक्सटाइल्स लि.	प्लॉट नंबर ७०, टीटीसी एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, महापे गांव, नवी मुंबई -४००७०९, महाराष्ट्र
५	५३१५६५	इंडो पैसिफिक प्रोजेक्ट्स लि.	पहली मंजिल, बी, छिंदवाड़ा रोड, पूनम चेम्बर्स, बायरामजी टाउन, नागपुर -४४००१३, महाराष्ट्र
६	५३०४४१	महानिवेश इंडिया लि.	१३/३४, डब्ल्यूईए, करोल बाग, नई दिल्ली-११०००५, दिल्ली
७	५२३८३४	मंगलवेधे सन सोया लि.	प्लॉट नंबर १९, केआईएडीबी इंडस्ट्रियल एरिया, बीजापुर-५८६१०१, कर्नाटक
८	५३९५२५	नवकेतन मर्चेंट्स लि.	१२, वाटरलू स्ट्रीट, कोलकाता-७०००६९, पश्चिम बंगाल
९	५३९३११	निष्ठा फाइनेंस एंड इंवेस्टमेंट (इंडिया) लि.	ए/२०२, दूसरी मंजिल, नरनारायण कॉम्प्लेक्स, नवरंगपुरा बस स्टॉप के पास, स्वास्तिक क्रॉस रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-३८०००९, गुजरात
१०	५३६५९२	सत्कार फिनलीज लि.	८२९, लक्ष्मीदीप बिल्डिंग, ८वीं मंजिल, लक्ष्मी नगर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, वी३एस मॉल के आगे, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली-११००९२, दिल्ली

इसके अलावा, तालिका-१ और तालिका-२ में सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में एक्सचेंज ने एक्सचेंज के अभिलेखों में उपलब्ध कंपनियों के पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भी ई-मेल भी भेजे थे। साथ ही, एक्सचेंज के अभिलेखों में उपलब्ध विवररणों के अनुसार इन कंपनियों के प्रमोटरों को उक्त पत्र की प्रति संलग्न कर ई-मेल भी भेजे गए थे।

हालाँकि, उपरोक्त कंपनियों के प्रमोटरों को भेजे गए ई-मेल के जवाब में कोई भी अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

उपरोक्त के आलोक में, एक्सचेंज द्वारा यह नोटिस जारी किया जा रहा है कि कंपनियों को यह सूचित करने के लिए **अंतिम और निर्णायक अवसर दिया जा रहा है** कि क्या वे **६ फरवरी, २०२३ को एक्सचेंज की असूचीकरण समिति के समक्ष अपनी बैठक में व्यक्तिगत सुनवाई का लाभ उठाना चाहती हैं।** कृपया ध्यान दें कि यदि कंपनी से नीचे दिए गए निर्धारित समय के भीतर और निर्धारित विधि से कोई सुदृढ़ पुष्टि प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि कंपनी ने सुनवाई का अवसर छोड़ दिया है और ऐसे में असूचीकरण समिति इस मामले पर एक पक्षीय आधार पर निर्णय लेने के लिए बाध्य होगी। एक्सचेंज सेबी के इक्विटी शेयरों के असूचीकरण, विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अनिवार्य असूचीकरण की प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ेगा।

उपरोक्त कंपनियाँ **१६ जनवरी, २०२३** तक निर्दिष्ट ईमेल आईडी : bse.delistscn@bseindia.com पर एक संचार प्रेषित कर सकती हैं।

यदि इस नोटिस में शामिल कंपनियां निर्धारित समय में अनिवार्य समय के भीतर जवाब देने में विफल रहती हैं, तो यह माना जाएगा कि इन कंपनियों ने व्यक्तिगत सुनवाई की अपनी आवश्यकता को त्याग दिया है और **एक्सचेंज सेबी (इक्विटी शेयरों का असूचीकरण) विनियम, के प्रावधानों के अंतर्गत कंपनियों के अनिवार्य असूचीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया जाएगा।**

बीएसई लिमिटेड के लिए और उसकी ओर से
११ जनवरी २०२३